नईदुनिया



सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में उछाल आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 470 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 510 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। माना जा रहा है कि सोने के भाव में धनतेरस और दिवाली की वजह से तेजी का ये माहौल बना है। दूसरी ओर चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। शुरुआती कारोबार में भी ये चमकीली धातु सोमवार के भाव पर ही बिक रही है।

भाव में बदलाव आने के कारण देश के अलग-अलग सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,39,380 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,39,530 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,27,760 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,27,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण यह चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 1,99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के पुराने स्तर पर ही बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,39,530 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,27,910 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,39,380 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,27,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,39,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,27,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,39,380 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,27,760 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,39,380 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,27,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,39,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,27,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,39,530 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,27,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,39,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,27,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। चंडीगढ़ में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,39,530 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,27,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,39,530 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,27,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,39,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

अक्टूबर में जीएसटी कलेक्शन 2.31 लाख करोड़ के पार



नई दिल्ली। त्योहारी सीजन से पहले देश में हुई बंपर खरीदारी और मजबूत आर्थिक गतिविधियों के चलते अक्टूबर 2026 में भारत का ग्रास जीएसटी (जीएसटी) कलेक्शन रिकार्ड 22.9 फीसदी उछलकर 2,31,290 करोड़ रुपये (2.31 लाख करोड़) के ऐतिहासिक आंकड़े पर पहुंच गया है। यह भारतीय इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा जीएसटी कलेक्शन है, इससे पहले साल 2024 में यह 2.10 लाख करोड़ रुपये के अब तक के सबसे उच्च स्तर पर पहुंचा था। पिछले साल अक्टूबर 2025 में देश का जीएसटी कलेक्शन 1,88,125 करोड़ रुपये था। हाल ही में जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में जीएसटी कलेक्शन में सबसे बड़ा श्रेय आयात से होने वाले राजस्व में भारी उछाल को जाता है, जो 42.2 फीसदी बढ़कर 72,246 करोड़ रुपये रहा। वहीं घरेलू आर्थिक गतिविधियों और त्योहारों की खरीदारी से होने वाला कलेक्शन 15.8 फीसदी बढ़कर 1.59 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। यह चालू वित्त वर्ष में चौथा महीना है जब सरकार का जीएसटी कलेक्शन दो लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है। इससे पहले जुलाई में 2.11 लाख करोड़ रुपये और सितंबर में 2.04 लाख करोड़ रुपये का कलेक्शन हुआ था। इस महीने, सरकार ने 27,934 करोड़ रुपये का रिकार्ड टैक्स रिफंड भी जारी किया, जो पिछले साल के मुकाबले 7.5% अधिक है।

नई बेयोन का सीएनजी माडल लाने की तैयारी



नई दिल्ली। कार निर्माता जापानी कंपनी हुंडई अपनी नई बेयोन का सीएनजी माडल लाने की तैयारी कर रही है। हुंडई बेयोन सीएनजी को जनवरी 2027 में भारतीय बाजार में लान्च किया जाएगा। इस माडल में 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन के साथ फैक्ट्री-फिटेड सीएनजी तकनीक मिलेगी। इस कार की सबसे बड़ी खासियत इसका अंडरबाडी सीएनजी टैंक हो सकता है, जिससे सीएनजी सिलेंडर होने के बावजूद कार का बूट स्पेस (सामान रखने की जगह) प्रभावित नहीं होगा। हुंडई बेयोन सीएनजी में 1.5 लीटर, चार-सिलेंडर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन दिए जाने की संभावना है। पेट्रोल मोड में यह इंजन 115 हार्सपावर की ताकत और 144 न्यूटन मीटर का टार्क जनरेट करता है, हालांकि सीएनजी मोड में इसके पावर आउटपुट में थोड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। कार में छह-स्पीड मैनुअल गियरबाक्स मिलने की पूरी उम्मीद है। सीएनजी गाड़ियों में सामान रखने की जगह कम होना एक बड़ी समस्या रही है, लेकिन बेयोन में सीएनजी टैंक को कार के निचले हिस्से में लगाकर बूट स्पेस को सुरक्षित रखा जाएगा। कीमत के मोर्चे पर अनुमान लगाया जा रहा है कि हुंडई बेयोन का सीएनजी वेरिएंट अपने संबंधित पेट्रोल माडल की तुलना में लगभग 80 हजार रुपये से एक लाख रुपये तक महंगा हो सकता है।

होंडा एक्टिवा के बिके 14.82 लाख से ज्यादा स्कूटर



नई दिल्ली। चालू वित्तीय वर्ष 2027 की पहली छमाही (अप्रैल से सितंबर 2026) के दौरान देश में टाप-30 स्कूटरों की कुल बिक्री लगभग 49 लाख यूनिट्स के करीब पहुंच गई है। भारतीय दोपहिया वाहन बाजार में स्कूटरों की मांग में जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। इस बिक्री में सबसे खास बात यह रही कि देश में सबसे ज्यादा बिकने वाले टाप-11 स्कूटर माडलों में चार इलेक्ट्रिक स्कूटरों ने भी अपनी जगह बनाई है। हालांकि, बाजार के कुल आंकड़ों पर नजर डालें तो आज भी पारंपरिक ईंधन (इंजन) वाले माडलों का ही दबदबा पूरी तरह कायम है। बिक्री की इस दौड़ में होंडा एक्टिवा ने एक बार फिर अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखते हुए बाजी मारी है। वित्तीय वर्ष 2027 के पहले छह महीनों में होंडा एक्टिवा की कुल 14,82,917 यूनिट्स बिकी हैं, जो पिछले साल की इसी अवधि में बिके 12,88,165 यूनिट्स के मुकाबले काफी अधिक है। दूसरे स्थान पर टीवीएस जुपिटर रहा, जिसकी इस छमाही में 8,29,725 यूनिट्स बिकीं। तीसरे स्थान पर कब्जा जमाते हुए सुजुकी एक्सेस ने 4,33,180 यूनिट्स की कुल बिक्री दर्ज की।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए थे। सुबह डाउ जोन्स फ्यूचर्स भी मामूली कमजोरी के साथ लाल निशान में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मजबूती का माहौल बना रहा, जहां प्रमुख सूचकांकों में अच्छी बढ़त दर्ज की गई थी। वहीं एशियाई बाजार से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं।



सोमवार को अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। माना जा रहा है कि मध्य एशिया में शांति समझौते की उम्मीद के बीच अमेरिका द्वारा ईरान के एक द्वीप पर हमला करने के कारण बने डर के माहौल की वजह से अमेरिकी शेयर बाजार गिरावट का शिकार हो गए। इसके अलावा, अमेरिकी निवेशक होने वाले अमेरिकी मिडटर्म इलेक्शन के परिणामों के इंतजार में भी सतर्क बने हुए हैं। मध्य एशिया के तनाव और अमेरिकी मिडटर्म इलेक्शन को लेकर बनी सतर्कता के कारण ही पिछल सत्र के दौरान अमेरिका के दो प्रमुख सूचकांक गिरावट का शिकार हो गए।

एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.51 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,541.68 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं टेक कंपनियों से जुड़ा नैस्डैक कंपोजिट ने भी 272.68 अंक यानी 1.07 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,164.32 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.41 प्रतिशत की बढ़त के साथ 51,983.98 अंकों पर पहुंचने में कामयाब हो गया। दूसरी ओर, सुबह डाउ जोन्स फ्यूचर्स फिलहाल 172.94 अंक यानी 0.33 प्रतिशत टूट कर 51,810.05 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

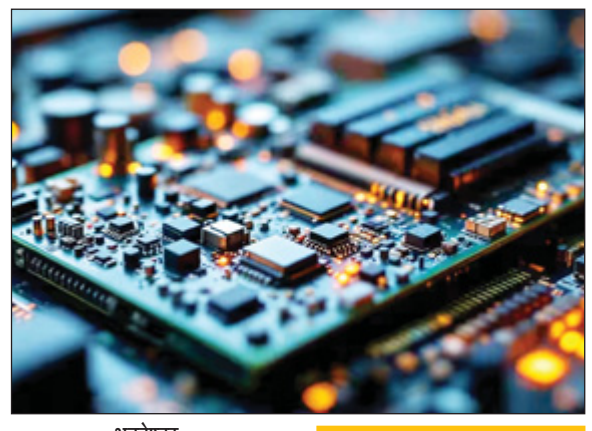
अमेरिकी बाजार के बीते सत्र की सुस्ती के बीच यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान अच्छी मजबूती नजर आई। जर्मनी का डीएएक्स इंडेक्स 162.88 अंक यानी 0.63 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,981.09 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह फ्रांस के सीएसी इंडेक्स ने 78.27 अंक यानी 0.97 प्रतिशत की शानदार तेजी के साथ 8,047.69 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं, ब्रिटेन का एफटीएसई इंडेक्स भी 31.55 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की मजबूती दर्ज करते हुए 10,761.33 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

ग्लोबल मार्केट के इन संकेतों के बीच एशियाई बाजार में सुबह मिला-जुला रुख बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ प्रमुख बाजार में से तीन सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार करते हुए नजर आ रहे हैं, जबकि छह सूचकांक बिकवाली के दबाव में लाल निशान में बने हुए हैं। भारतीय बाजार के लिए शुरुआती संकेत देने वाले गिफ्ट निफ्टी में सुबह तेज उछाल का रुख बना हुआ है, जो घरेलू बाजार के लिए बेहतरीन संकेत हैं। फिलहाल यह सूचकांक 160 अंक यानी 0.68 प्रतिशत की जोरदार मजबूती के साथ 23,562.50 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

हान्गकान्ग के शेयर बाजार में भी तेजी का रुख बना हुआ है, जहां हैंगसेंग इंडेक्स फिलहाल 77.68 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,471 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा सिंगापुर का स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स भी मामूली बढ़त के साथ काम करता नजर आ रहा है। फिलहाल यह सूचकांक 13.26 अंक यानी 0.25 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,278.32 अंक के स्तर पर बना हुआ है। दूसरी ओर, जापान का निक्केई 225 इंडेक्स कमजोरी के साथ लाल निशान में पहुंचा हुआ है। फिलहाल यह सूचकांक 208.25 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ 63,081.86 अंक के स्तर पर बना हुआ है। दक्षिण कोरिया के कोस्पी इंडेक्स में भारी मंदी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। चौतरफा बिकवाली के दबाव से फिलहाल यह सूचकांक 202.18 अंक यानी 3.45 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 5,656.90 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह ताइवान स्टाक एक्सचेंज में भी जबरदस्त कमजोरी का माहौल बना हुआ है। यहां लगातार हो रही मुनाफावसूली के कारण ताइवान वेटेड इंडेक्स 914.93 अंक यानी 2.04 प्रतिशत फिसल कर 44,005.21 अंक के स्तर पर आ गया है।

इंडोनेशिया स्टाक एक्सचेंज में भी बिकवाल हावी नजर आ रहे हैं, जिसके कारण जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 87.73 अंक यानी 1.72 प्रतिशत की मंदी के साथ 5,009.10 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स भी लाल निशान में फिसल गया है। फिलहाल यह सूचकांक 25.94 अंक यानी 0.71 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,612.09 अंक के स्तर पर बना हुआ है। इसके अलावा थाईलैंड के सेट कंपोजिट इंडेक्स में भी सुस्ती नजर आ रही है। अभी यह सूचकांक 5.71 अंक यानी 0.38 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,501.49 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

ओडिशा सेमीकंडक्टर हब की ओर, 4 अरब डालर से अधिक का निवेश



खनन आधारित अर्थव्यवस्था से दिमाग-आधारित युग की ओर राज्य का बड़ा कदम

भुवनेश्वर

ओडिशा वैश्विक सेमीकंडक्टर मानचित्र पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने के लिए कमर कस रहा है। राज्य ने 4 अरब डालर से अधिक के निवेश के साथ पांच प्रमुख चिप निर्माण परियोजनाओं की योजना बनाई है, जो पारंपरिक खनन-आधारित अर्थव्यवस्था से एक महत्वपूर्ण औद्योगिक बदलाव का संकेत है। इन महत्वाकांक्षी परियोजनाओं का उद्देश्य वैश्विक चिप निर्माण और उन्नत इलेक्ट्रानिक्स मूल्य श्रृंखला में ओडिशा की एक मजबूत पहचान बनाना है। एक सरकारी अधिकारी के अनुसार इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत देश भर में स्वीकृत 12 परियोजनाओं में से दो ओडिशा में स्थापित की जा रही हैं। इनमें भारत की पहली कंपाउंड सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन यूनिट और पहली उन्नत 3डी चिप पैकेजिंग यूनिट शामिल हैं, जिनका शिलान्यास मंजूरी के 6-8 महीने के भीतर ही हो गया था। यह त्वरित कार्यप्रणाली राज्य की प्रतिबद्धता दर्शाती है। राज्य अब खदान-आधारित अर्थव्यवस्था से दिमाग-आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, जहां सेमीकंडक्टर, एआई डेटा सेंटर और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स जैसे बौद्धिक कार्यों के बुनियादी ढांचे पर विशेष जोर है। इंटेल और 3डी ग्लास साल्यूशंस जैसी वैश्विक कंपनियों के साथ सहयोग कर ओडिशा वैश्विक सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला में अग्रणी बनना चाहता है। अधिकारी ने बताया कि ओडिशा अपनी एआई नीति तैयार करने और एआई मिशन की घोषणा करने वाला पहला राज्य है, जो कंप्यूटिंग के भविष्य में इसकी अग्रणी भूमिका को रेखांकित करता है। राज्य के इलेक्ट्रानिक्स और आईटी मंत्री ने ओडिशा की प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों, पर्याप्त बिजली, भूमि, पानी और प्रगतिशील औद्योगिक नीतियों को प्रमुख निवेश केंद्र बनने की विशेषताओं के रूप में रेखांकित किया। हालांकि, उद्योग जगत ने निर्यात क्षमता बढ़ाने के लिए विनिर्माण मानकों, कुशल लाजिस्टिक्स, वैश्विक प्रौद्योगिकी साझेदारी, बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे और लागत प्रतिस्पर्धा क्षमता पर भी जोर दिया, ताकि नीतिगत समर्थन को पूर्ण रूप से साकार किया जा सके।

अक्टूबर में एलपीजी की मांग कमजोर, पेट्रोल-डीजल की खपत में उछाल



नई दिल्ली। देश में पिछले महीने अक्टूबर के महीने में ऊर्जा खपत का एक विरोधाभासी रुझान देखने को मिला है। जहां एक ओर एलपीजी सिलेंडर की खपत में बड़ी गिरावट दर्ज की गई, वहीं दूसरी ओर पेट्रोल और डीजल की मांग में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल (पीपीएसी) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर में एलपीजी की खपत सालाना आधार पर 12.11 प्रतिशत घटकर 2.64 मिलियन टन रह गई। इस गिरावट के पीछे मिडिल ईस्ट में जारी तनाव को एक बड़ा कारण माना जा रहा है, जिसने एलपीजी की आपूर्ति को प्रभावित किया और देश में इसके दाम कई बार बढ़े। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा एलपीजी दूसरे देशों से आयात करता है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति में बाधा का सीधा असर घरेलू खपत पर पड़ा. सरकार भी एलपीजी सिलेंडर की जगह पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) को बढ़ावा दे रही है, जिससे एलपीजी की खपत में कमी आई है। इसके विपरीत, पेट्रोल और डीजल की मांग में इजाफा हुआ है. अक्टूबर के महीने में पेट्रोल की खपत पिछले साल के मुकाबले 3.11 प्रतिशत बढ़कर 3.77 मिलियन टन हो गई।

भागीदारी का विरोधाभास : महिलाएं काम तो कर रही हैं, पर सुरक्षित नहीं

ग्रामीण कृषि क्षेत्र में केंद्रित रही वृद्धि, घर का बोझ बरकरार



नई दिल्ली

भारत में महिला कर्मचारियों की संख्या पिछले सात वर्षों में लगभग दोगुनी हो गई है, लेकिन यह वृद्धि एक विरोधाभास लिए हुए है। इंडियन काउंसिल फार रिसर्च आन इंटरनैशनल इकनामिक रिलेशंस (इक्रियर) के एक नए अध्ययन द पार्टिसिपेशन पैराडाक्स के अनुसार, इस दौरान महिलाओं की नौकरियां कम सुरक्षित, कम वेतन वाली और काम के कम घंटों वाली हो गई हैं। यह अध्ययन बताता है कि महिलाएं अब ज़्यादा वेतन वाला काम कर रही हैं, लेकिन घर के अवैतनिक काम का बोझ कम नहीं हुआ है, जिससे उनके आराम और आत्म-देखभाल के समय में भारी कटौती हुई है। आवधिक श्रम बल सर्वे (पीएलएफएस) के आंकड़ों का हवाला देते हुए अध्ययन में बताया गया है कि कामकाजी महिलाओं की संख्या 2017-18 के 10.4 करोड़ से बढ़कर 2025 तक 20.1 करोड़ हो गई है, जो लगभग दोगुनी है। हालांकि, यह वृद्धि मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों में केंद्रित रही है और लगभग पूरी तरह से कृषि क्षेत्र में रोजगार मिला है।

पुरुषों के मामले में जहां ढांचागत बदलाव देखे जा रहे हैं, वहीं महिलाओं के मामले में ऐसा नहीं है। अध्ययन के मुताबिक कार्यबल में शामिल होने वाली अधिकांश अतिरिक्त महिलाओं ने स्वरोजगार और अवैतनिक पारिवारिक श्रम के माध्यम से प्रवेश किया है, जो सबसे असुरक्षित और सबसे कम वेतन वाली श्रेणियां हैं। ग्रामीण महिलाओं में नियमित वेतन वाली नौकरियों का हिस्सा वास्तव में कम हुआ है। शहरी क्षेत्रों में सेवा-आधारित आर्थिक वृद्धि के बावजूद, यह कहना कठिन है कि महिलाओं को अवसरों में सुधार के कारण रोजगार मिला है।

शोधकर्ताओं का मानना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को कामगारों की अनिवार्य जरूरतों के कारण काम मिला है, चाहे वह कृषि हो या परिवार द्वारा चलाए जा रहे उद्यम हों। काम के घंटों के आंकड़ों से भी यही बात पुष्ट होती है। ग्रामीण महिलाओं के काम के साप्ताहिक घंटे में 6 घंटे से अधिक की गिरावट आई है, जो किसी भी समूह में सबसे बड़ी गिरावट है। अध्ययन में निष्कर्ष निकाला गया है कि प्रति कर्मचारी घटते घंटों के साथ बढ़ती भागीदारी का अर्थ है कि कर्मचारियों की संख्या उन क्षेत्रों में बढ़ी है जहां कम कुशलता वाले काम होते हैं। कृषि कार्य से लोगों को बाहर निकालने में विनिर्माण क्षेत्र महत्वपूर्ण रहा है, लेकिन वहां भी महिलाओं की प्रमुख भूमिका नहीं है।

टाटा सफारी ईवी का वर्जन लान्च करेगी टाटा मोटर्स

नई दिल्ली

स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स अपने ईवी पोर्टफोलियो को और मजबूत करने जा रही है। टाटा मोटर्स जनवरी 2027 तक अपनी फ्लैगशिप एसयूवी सफारी का इलेक्ट्रिक वर्जन यानी टाटा सफारी ईवी लान्च कर सकती है। भारतीय बाजार में उतरने के बाद इस प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी का सीधा मुकाबला महिंद्रा एक्सईवी 9एस और हाल ही में पेश की गई एमजी हेक्टर टामहाक ईवी से होगा। यह कार टाटा के इलेक्ट्रिक सेगमेंट का नया फ्लैगशिप माडल बनेगी। सफारी ईवी को टाटा के अत्याधुनिक अक्टी डाट ईवी प्लस प्लेटफार्म पर तैयार किया जाएगा, जिस पर हैरियर ईवी भी आधारित है।

हालांकि कंपनी ने आधिकारिक स्पेसिफिकेशन्स की घोषणा नहीं की है, लेकिन माना जा रहा है कि इसमें 65 किलोवाट-घंटे और 75 किलोवाट-घंटे के बैटरी पैक के साथ एक बड़ा 80 किलोवाट-घंटे का बैटरी पैक भी दिया जा सकता है। यह बड़ा बैटरी पैक टाटा की किसी भी इलेक्ट्रिक कार में मिलने वाली सबसे लंबी रेंज प्रदान करेगा, जिससे यह एसयूवी लंबी दूरी और एक शहर से दूसरे शहर की यात्रा के लिए बेहद उपयुक्त बन जाएगी। आरडब्ल्यूडी माडल का सिंगल मोटर सेटअप 238 पीएस की पावर और 315 एनएम का टार्क दे सकता है, जबकि एडब्ल्यूडी माडल का डुअल मोटर सेटअप 504 एनएम का भारी टार्क जनरेट करेगा।



मुकाबला करें तो महिंद्रा एक्सईवी 9एस में 79 किलोवाट-घंटे का बैटरी पैक मिलता है, जबकि एमजी हेक्टर टामहाक ईवी में 69.2 किलोवाट-घंटे की बैटरी दी गई है जो 517 किमी तक की रेंज देती है।

डिजाइन के मामले में सफारी ईवी में बंद ग्रिल, एयरो-आप्टिमाइज्ड अलाय व्हील्स, नई लाइटिंग और स्पेशल ईवी बैजिंग देखने को मिलेगी। इसके केबिन में ट्रिपल स्क्रीन लेआउट, वेंटिलेटेड सीटें, पैनोरमिक सनरूफ, 540-डिग्री सराउंड व्यू कैमरा, वायरलेस चार्जिंग और लेवल 2 अडास सुरक्षा सुइट जैसी आधुनिक सुविधाएं शामिल होंगी।

बजट-फ्रेंडली और उच्च सुरक्षा मानकों वाली कई एसयूवी बाजार में पेश

नई दिल्ली। कार खरीददारों के लिए टाटा, महिंद्रा और किया जैसी प्रमुख वाहन निर्माता कंपनियों ने बजट-फ्रेंडली और उच्च सुरक्षा मानकों वाले कई शानदार विकल्प बाजार में उतारे हैं। टाटा नेक्सन इस सेगमेंट में एक बेहद लोकप्रिय विकल्प है, जिसके पैनोरमिक सनरूफ वाले वेरिएंट की शुरुआती कीमत 9.72 लाख रुपये है। मस्कुलर डिजाइन वाली इस एसयूवी में डुअल-टोन केबिन, वेंटिलेटेड सीट्स, 10.25-इंच टचस्क्रीन, 360-डिग्री कैमरा और 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग के साथ 6 एयरबैग्स दिए गए हैं। यह 1.2 लीटर टर्बो-पेट्रोल और 1.5 लीटर डीजल इंजन विकल्पों के साथ 17 से 24 किमी/लीटर का माइलेज देती है। वहीं, महिंद्रा एक्सयूवी 3एक्सओ के सनरूफ वेरिएंट की कीमत 9.89 लाख रुपये से शुरू होती है। इसमें सी-शेप्ड एलईडी डीआरएल, डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, लेवल-2 एडास और सेगमेंट-फर्स्ट स्काईरूफ जैसे फीचर्स शामिल हैं, जो लगभग 18 से 21 किमी/लीटर की फ्यूल एफिशिएंसी प्रदान करते हैं।